अपनी बात

निस्केयर
NISCAIR

विज्ञान प्रगति

फरवरी 2021

निदेशक
डॉ. रंजना अग्रवाल

सम्पादक
डॉ. बालकराम

सह सम्पादक
डॉ. मनीष मोहन गोरे

सहायक सम्पादक
शुभदा कपिल

प्रोडक्शन
अश्वनी कुमार ब्राह्मी
अरूण उनियाल
मो० शकील अहमद

लेआउट एवं डिजाइन
नीरू विजन
अभिनव राज

बिक्री एवं वितरण
चारू वर्मा
रणबीर सिंह

आवरण : **अभिनव राज**

नया संस्थान, नई आशाएँ, नई यात्रा

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-निस्पर)

हाल ही में सीएसआईआर के नये संस्थान का गठन किया गया है, जिसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन एंड पॉलिसी रिसर्च (CSIR-NIScPR) नाम दिया गया है। सीएसआईआर के दो प्रमुख संस्थानों, सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान (सीएसआईआर-निस्केयर) और सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान (सीएसआईआर-निस्टैड्स) के विलय के बाद इस नए संस्थान को स्थापित किया गया है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन द्वारा इस नयी गठित संस्था का उद्घाटन 14 जनवरी 2021 को किया गया है।

इस नए संस्थान के गठन का उद्देश्य विज्ञान संचार को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ नीतिगत विषयों पर भी शोध को बढ़ावा देना है, जिससे उन सभी नीतियों का लाभ आम जनता तक पहुँच सके। इसके साथ ही, विज्ञान की जानकारी आम जनता तक पहुँचाना भी इस नयी गठित संस्था का उद्देश्य है। इन दोनों संस्थानों के विलय से अधिक संसाधनों और कम खर्च से बेहतर परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है।

सीएसआईआर-निस्केयर और सीएसआईआर-निस्टैड्स ने पिछले कुछ दशकों की अपनी लंबी यात्रा में प्रतिष्ठा अर्जित की है। सीएसआईआर-निस्केयर, विज्ञान संचार में लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाओं (विज्ञान प्रगति, साइंस रिपोर्टर और साइंस की दुनिया) और वैज्ञानिक रिसर्च जर्नलों के प्रकाशन में एक अग्रणी संस्थान रहा है। सीएसआईआर-निस्केयर सबसे बड़े और सबसे पुराने राष्ट्रीय विज्ञान पुस्तकालय का प्रबंधन भी कर रहा है और अंतर्राष्ट्रीय मानक सीरियल नंबर (आईएसएसएन) भी वितरित करता है। यह नेशनल नॉलेज रिसोर्स कंसोर्टियम (एनकेआरसी) का संरक्षक रहा है, जो सभी प्रमुख प्रकाशकों, पेटेंट, मानकों, उद्धरणों और ग्रंथ सूची डेटाबेस के 5000 से अधिक ई-पत्रिकाओं तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है।

इसी तरह, सीएसआईआर-निस्टैड्स को विज्ञान के इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और समाज, व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में एक समृद्ध अनुसंधान का अनुभव है। इसने यूनेस्को और राष्ट्रमंडल विज्ञान परिषद् से परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है। राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने अपने संबंधित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रचार योजनाओं की समीक्षा भी की है। सीएसआईआर-निस्टैड्स ने सामाजिक रूप से स्वीकार्य, प्रासंगिक, मापनीय और लागत-प्रतिस्पर्धी उत्पादों के विकास और अनुप्रयोगों को सक्षम करने के लिए एक तकनीकी-सामाजिक-आर्थिक मंच बनाया है।

इस विलय का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) नीति अनुसंधान और संचार के क्षेत्र में समझ विकसित करने के लिए विश्व स्तर पर एक सम्मानित थिंक टैंक और संसाधन केंद्र के रूप में उभरने के दृष्टिकोण से दो संस्थानों की शक्ति को समन्वित तरीके से एकजुट करना है। संस्थान का मिशन विभिन्न हितधारकों के बीच एसटीआई नीति अध्ययन और विज्ञान संचार को बढ़ावा देने के साथ ही विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उद्योग और समाज के इंटरफेस पर एक सेतु के रूप में कार्य करना है जो देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम की मजबूत बुनियाद के लिए आवश्यक है।

आशा है कि इन दोनों संस्थानों के विलय से इन संस्थानों में निहित ज्ञान का भंडार इस नई इकाई को वैश्विक विज्ञान के क्षेत्र में बड़ा और प्रतिष्ठित संस्थान बनाने के लिए संयोजित करेगा। साथ ही नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर साक्ष्य आधारित नीति और नवाचार "आत्मनिर्भर भारत" को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मूल्य

एक अंक : 30.00 रुपये
एक वर्ष : 300.00 रुपये
दो वर्ष : 570.00 रुपये
तीन वर्ष : 810.00 रुपये
विदेशी वार्षिक सदस्यता : 65$
शिकायत : 011-25841647
ई-मेल : rs@niscair.res.in

सम्पादकीय : 011-25841769, 011-25846301, 04-07/370
प्रोडक्शन : 011-25847353, 25846301, 04-07/217, 337
विज्ञापन : 011-25843359
बिक्री : 011-25841647, 25846301, 04-07/286, 289
फैक्स : 011-25847062
ई-मेल : vp@niscair.res.in
वेब साइट : http://www.niscair.res.in

© राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान

लेखकों के कथनों ओर मतों के लिये सी.एस.आई.आर. -राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान, डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली - 110 012 उत्तरदायी नहीं है।

पत्रिका से संबंधित सभी विवाद दिल्ली न्यायालय द्वारा ही निपटाये जायेंगे।